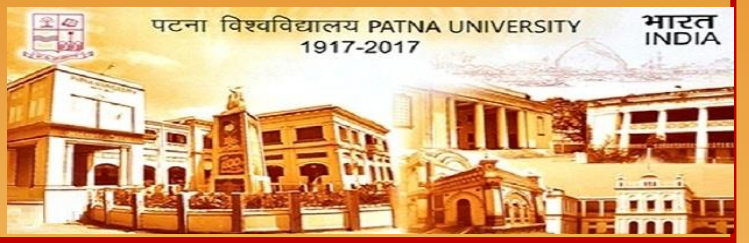


## Patna University In News (01.02.2023)

हिन्दुस्तान

# शोध करने वाले शिक्षकों को 5 लाख मिलेंगे

**पटना विश्वविद्यालय**

- पीयू के रिसर्च डेवलपमेंट सेल की बैठक में लिया गया निर्णय
- शोध के लिए एक सप्ताह के अंदर मांगा जाएगा आवेदन

पटना,वरीय संवाददाता। पटना विश्वविद्यालय में शोध करने वाले शिक्षकों को पांच लाख रुपये की राशि दी जाएगी। मंगलवार को पीयू के रिसर्च डेवलपमेंट सेल की बैठक में इसका निर्णय लिया गया। अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश कुमार चौधरी ने की।

शिक्षकों के शोध प्रस्ताव प्राप्त होने पर इसका मूल्यांकन विशेषज्ञों द्वारा कराया जाएगा। जिसका अंतिम अनुमोदन रिसर्च एडवाइजरी काउंसिल करेगी। प्रत्येक शोध प्रस्ताव पर अधिकतम पांच लाख की राशि विश्वविद्यालय द्वारा दी जाएगी। इसके लिए एक सप्ताह के अंदर आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। साथ ही बैठक में रिसर्च एडवाइजरी काउंसिल में बाहरी विशेषज्ञ के रूप में शामिल करने के लिए प्रोफेसर के नाम पर भी चर्चा हुई। साथ ही पटना विवि जर्नल के प्रकाशन के लिए शोध पत्र आमंत्रित किए जाएंगे।

बैठक में शोध पत्र जमा करने के लिए गाइडलाइन को अंतिम रूप दिया गया। जमा हुए शोधपत्रों की विषय विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा कराई जाएगी और उनके अनुमोदन के बाद ही जर्नल में शोध पत्र प्रकाशित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय की ओर से यूजीसी केयर लिस्ट में इस जर्नल को शामिल करने के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। इसके लिए सलाहकार एवं संपादक मंडल को पुनर्गठित किया जा रहा है।

प्रो. परिमल कुमार खान एवं प्रो. बीरेंद्र प्रसाद ने सभी पांच समितियों के समन्यवकों एवं सदस्यों को उनके कार्य के बारे में जानकारी दी। बैठक में रिसर्च एडवाइजरी काउंसिल के सभी सदस्यों सहित विभिन्न समितियों के कुल 30 सदस्य उपस्थित थे। इनमें पटना विवि के प्रति कुलपति प्रो. अजय कुमार सिंह, छात्र संकायाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार, आईक्यूएसी निदेशक प्रो. बीरेंद्र प्रसाद समेत सभी पांच समितियों के समन्यवक और उनके सदस्यों ने एजेंडा पर चर्चा की।

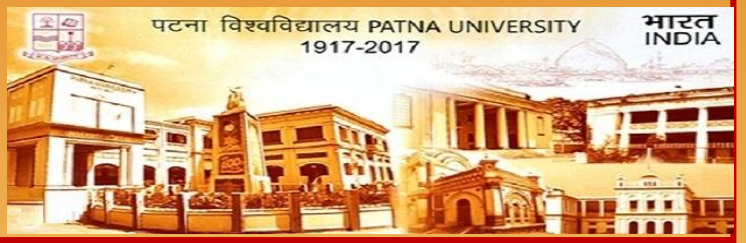


## Patna University In News (01.02.2023)

दैनिक भास्कर

# पीयू : प्रत्येक शोध प्रस्ताव पर पांच लाख का अनुदान

एजुकेशन रिपोर्टर, पटना

पटना विश्वविद्यालय में रिसर्च डेवलपमेंट सेल की बैठक मंगलवार को कुलपति प्रो गिरीश कुमार चौधरी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में पटना विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा रिसर्च प्रस्ताव जमा करने के लिए आवेदन प्रारूप को अंतिम रूप दिया गया। शोध प्रस्ताव प्राप्त होने पर इसका मूल्यांकन विशेषज्ञों द्वारा कराया जाएगा जिसका अंतिम अनुमोदन रिसर्च एडवाइजरी काउंसिल करेगी। प्रत्येक शोध प्रस्ताव पर अधिकतम पांच लाख की राशि विश्वविद्यालय द्वारा दी जायेगी। इसके लिए एक सप्ताह के अंदर आवेदन आमंत्रित किये जाएंगे। साथ ही रिसर्च एडवाइजरी काउंसिल में बाहरी विशेषज्ञ के रूप में शामिल करने के लिए कुछ प्रोफेसर्स के नाम पर चर्चा की गई।

पटना यूनिवर्सिटी जर्नल के प्रकाशन के लिए शोध पत्र आमंत्रित किये जाएंगे। शोध पत्र जमा करने के लिए गाइडलाइन को अंतिम रूप दिया गया। जमा हुए शोधपत्रों को विषय विशेषज्ञों द्वारा रिव्यू कराया जाएगा तथा उनके अनुमोदन के पश्चात ही जर्नल में शोध पत्र प्रकाशित किये जाएंगे। यूजीसी केयर लिस्ट में इस जर्नल को शामिल करने के लिए प्रस्ताव भेजा जायेगा जिसके लिए इसके सलाहकार मंडल एवं संपादक मंडल को पुनर्गठित किया जा रहा है। बैठक के अंत में प्रो परिमल कुमार खान एवं प्रो बीरेंद्र प्रसाद ने सभी पांच समितियों के समन्यवकों एवं सदस्यों को उनके कार्य के बारे में विस्तार से बताया।

बैठक में रिसर्च एडवाइजरी काउंसिल के सभी सदस्यों सहित विभिन्न समितियों के कुल 30 सदस्य उपस्थित थे।

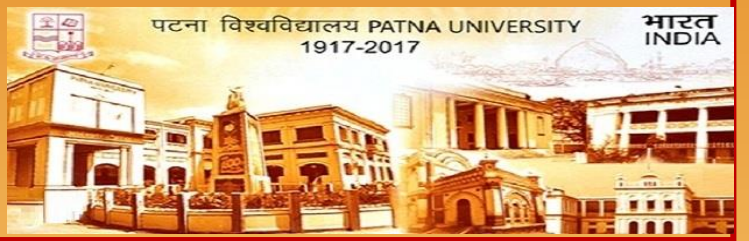


## Patna University In News (01.02.2023)

# रिसर्च के लिए विद्यार्थियों को पांच लाख रुपये तक की मिलेगी राशि

- पीयू रिसर्च डेवलपमेंट सेल की बैठक में रिसर्च प्रस्ताव के आवेदन प्रारूप पर चर्चा

**संवाददाता, पटना**

**पटना** विश्वविद्यालय की ओर से मंगलवार को रिसर्च डेवलपमेंट सेल की बैठक हुई. बैठक में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो गिरीश कुमार चौधरी ने रिसर्च एडवाइजरी काउंसिल के सभी सदस्यों समेत विभिन्न समितियों के कुल 30 सदस्यों के बीच रिसर्च प्रस्ताव के आवेदन प्रारुप के बारे में जानकारी दी. कुलपति ने रिसर्च प्रस्ताव जमा करने के आवेदन प्रारूप के बारे में बताते हुए कहा कि शोध प्रस्ताव प्राप्त होने के बाद उसका मूल्यांकन विशेषज्ञों द्वारा कराया जायेगा. इसका अंतिम अनुमोदन रिसर्च एडवाइजरी काउंसिल करेगी. प्रत्येक शोध प्रस्ताव पर विद्यार्थियों व शिक्षकों को अधिकतम पांच लाख की राशि विश्वविद्यालय की ओर से दी जायेगी. बैठक में बताया गया कि रिसर्च आवेदन फरवरी के पहले सप्ताह से ली जायेगी. साथ ही रिसर्च एडवाइजरी काउंसिल में बाहरी विशेषज्ञ के रूप में शामिल होने वाले प्रोफेसर्स के नाम पर को लेकर भी चर्चा की गयी. जमा हुए शोधपत्रों को विषय विशेषज्ञों द्वारा रीव्यू कराया जायेगा तथा उनके अनुमोदन के पश्चात ही जर्नल में शोध पत्र प्रकाशित किए जायेंगे. इसके साथ ही यूजीसी केयर लिस्ट में इस जर्नल को शामिल करने के लिए प्रस्ताव भी भेजा जायेगा.

प्रभात खबर Wed, 01 February 2023 https://epaper.prabhatkhabar.co

# पीयू शिक्षकों को शोध के लिए देगा पांच लाख, अगले सप्ताह से आवेदन

जासं, पटना : पटना विश्वविद्यालय के शिक्षकों से रिसर्च प्रस्ताव प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रारूप को अंतिम रूप दिया गया। शोध प्रस्ताव प्राप्त होने पर इसका मूल्यांकन विशेषज्ञों द्वारा कराया जाएगा, जिसका अंतिम अनुमोदन रिसर्च एडवाइजरी काउंसिल करेगी। प्रत्येक शोध प्रस्ताव पर अधिकतम पांच लाख की राशि विश्वविद्यालय द्वारा दी जाएगी। इसके लिए एक सप्ताह में आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। उक्त निर्णय मंगलवार को पटना विश्वविद्यालय में मंगलवार को रिसर्च डेवलपमेंट सेल में लिया गया। इसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश कुमार चौधरी ने की।

पीयू प्रकाशित करेगा अपना जर्नल : डीएसडब्ल्यू प्रो. अनिल कुमार ने बताया कि पटना यूनिवर्सिटी जर्नल के प्रकाशन के लिए शोध पत्र आमंत्रित किए जाएंगे। शोध पत्र जमा करने के लिए गाइडलाइन को अंतिम रूप दिया गया।

जमा शोधपत्रों को विषय विशेषज्ञों से समीक्षा कराई जाएगी, अनुमोदन के बाद जर्नल में प्रकाशित किए जाएंगे। यूजीसी केयर लिस्ट में जर्नल को शामिल करने के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा।

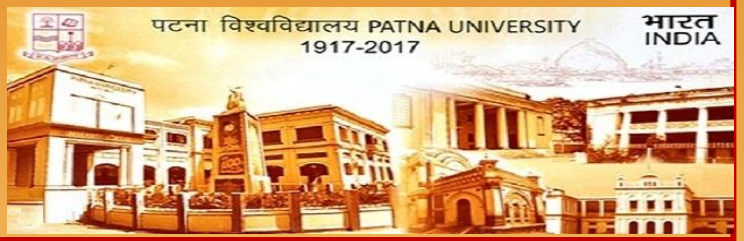


## Patna University In News (01.02.2023)

हिन्दुस्तान

1/2/23 HH

# कॉलेज शिक्षकों की प्रोन्नति के लिए चयन समिति गठित

पटना। कॉलेज शिक्षकों की प्रोन्नति के लिए चयन समिति गठित कर दी गयी है। राजभवन ने विश्वविद्यालय की 10 सदस्यीय चयन समिति पर मुहर लगा दी है। राज्यपाल फागू चौहान की स्वीकृति के बाद संयुक्त सचिव प्रवीण कुमार गुप्ता ने इसकी अधिसूचना जारी भी कर दी।

समिति में एलएन मिथिला विवि दरभंगा के लिए बीएन मंडल विश्वविद्यालय के रजिस्टार प्रो. मिहिर ठाकुर को, पाटलिपुत्र विवि के लिए जेपी विवि के रजिस्टार डॉ. रवि प्रकाश बबलू, टीएम भागलपुर विवि के लिए एमएमएच अरबिक व पर्शियन विवि के रजिस्टार डॉ. रवीन्द्र नाथ ओझा को, पटना विवि के लिए कालेज ऑफ कॉमर्स, कला व विज्ञान के रिटायर प्रिंसिपल प्रो. बबन सिंह को, बीआरए बिहार विवि के लिए बीएन मंडल विवि के पूर्व रजिस्टार डॉ. कुमारेश प्रसाद सिंह, जेपी विवि छपरा के लिए शिक्षाविद् डॉ. उषा किरण खान को, वीकेएस विवि आरा के लिए केन्द्रीय विवि मोतिहारी के प्रो. प्रसून दत्त सिंह को, बीएन मंडल विवि मधेपुरा के लिए एलएन मिथिला विवि के रजिस्टार प्रो. मुश्ताक अहमद को और पूर्णिया विश्वविद्यालय के लिए पटना विश्वविद्यालय के रिटायर प्रोफेसर राजमणि प्रसाद सिन्हा को, एमएमएच अरबिक व पर्शियन विश्वविद्यालय के लिए मिल्लत कॉलेज दरभंगा के प्रिंसिपल डॉ. मो. इफ्तेखार अहमद को समिति में शामिल किया गया है।

हिन्दुस्तान

# व्याख्यान आयोजित

पटना। वीमेंस कॉलेज के अंग्रेजी विभाग द्वारा मंगलवार को संवाद सत्र का आयोजन हुआ। संवाद 'शब्दवाद और भाषा विवरण के तरीके' विषय पर आयोजित की गई। वहीं, जे. डी वीमेंस कॉलेज के इतिहास विभाग द्वारा 'लिंग संवेदीकरण' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मगध महिला कॉलेज की पूर्व प्राचार्या डॉ. पद्म लता ठाकुर मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहीं।

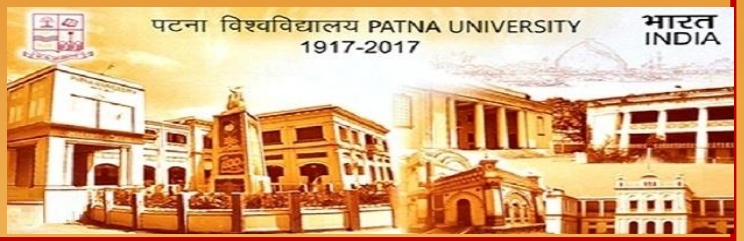


## Patna University In News (01.02.2023)

दैनिक जागरण

# पीएचडी में नामांकन के लिए सात तक आवेदन

जागरण संवाददाता, पटना : पटना विश्वविद्यालय में पीएचडी प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए विश्वविद्यालय प्रबंधन ने आवेदन प्राप्त करने की तिथि में विस्तार किया है। डीएसडब्ल्यू प्रो. अनिल कुमार ने बताया कि छात्रसंघ पदाधिकारियों ने तिथि बढ़ाने की मांग की थी। पूर्व में 28 जनवरी तक आवेदन स्वीकार किए जाने थे। कुलपति प्रो. गिरीश कुमार चौधरी ने आवेदन तथा परीक्षा से संबंधित प्रक्रिया की समीक्षा के बाद सात फरवरी तक आवेदन स्वीकार किए जाने की अनुमति प्रदान की है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर आवेदन, परीक्षा की संभावित तिथि, सिलेबस आदि की विस्तृत जानकारी अपलोड है।